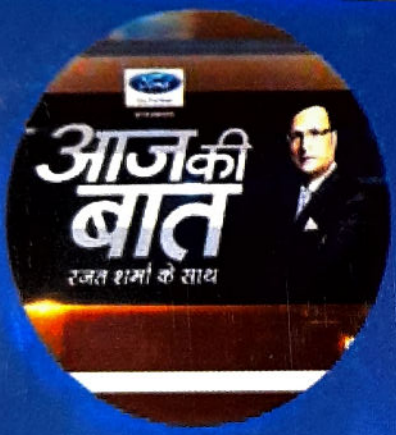

समाचार

टीवी, वेब और सोशल मीडिया

सम्पादक
डॉ. सुस्मिता बाला

समाचार

टी वी, वेब
और
सोशल मीडिया

सम्पादक
डॉ. सुस्मिता बाला

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स
नई दिल्ली-110 002

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स
4697/5–21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज
नई दिल्ली–110 002
फोनः 2327 0497, 2328 8285
फैक्स : 011–2328 8285
E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in

समाचारः टी वी, वेब और सोशल मीडिया
प्रथम संस्करण–2020
© सम्पादक
ISBN: 978-93-89484-55-7

भारत में मुद्रित

कनिष्क पब्लिशर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स 4697/5–21 ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002 से मदन सचदेवा द्वारा प्रकाशित; क्वालिटी प्रिंटर्स, दिल्ली द्वारा शब्द–संयोजन तथा नाइस प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

अनुक्रमणिका

आमुख *v*

आभार *vii*

प्रस्तावना *xi*

1. महिलाओं के सामाजिक–राजनीतिक आंदोलनः भारत में शाहीन बाग की केस स्टडी
डॉ. अम्बरीष सक्सेना एवं डॉ. सुस्मिता बाला 1

2. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सकारात्मक पत्रकारिता
रजत पाण्डेय एवं दीपक कुमार 11

3. इच्छा शक्ति, ज्ञान शक्ति और कर्म शक्ति की प्रतीक महिला मीडियाकर्मी
आदर्श कुमार 22

4. भ्रामक खबरों की चालः अवास्तविक दुनिया का मकड़जाल
ओजस्कर पाण्डेय 27

5. भारत में स्वास्थ्य सेवा पर्यटन उद्योगः एक अध्ययन
रीटा शर्मा 40

6. सोशल मीडिया के पोस्ट और कमेंट की भाषा शैलीः आत्मावलोकन की आवश्यकता
वंदना यादव 57

7. पत्रकारिता और राष्ट्रवाद
राहुल जोशी 62

8. वेबसाइट WWW.aajtak.com पर मौजूद हिंदी साहित्यः एक आलोचनात्मक अध्ययन
आदर्श कुमार 69

9. खतरनाक परिस्थितियों में पत्रकारिता और पत्रकारों की सुरक्षा का मुद्दाः कोरोना संक्रमण के विशेष संदर्भ में
डॉ. रचना शर्मा 77

10. हिंदी न्यूज चैनल 'आज तक' की वेबसाइट पर प्रकाशित खबरों की भाषा शैली का अध्ययन (सेक्शन 'खबरें जरा हटके' के संदर्भ में)
वंदना यादव 94

11. समाचार वेब साइटों के कंटेंट और उनकी आय के स्रोतों का संबंधः एक अध्ययन
सुरेश कुमार 102

12. तीन राष्ट्रीय समाचार पत्रों में आने वाले राजनीतिक समाचारों का अन्तर्वस्तु विश्लेषण–दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण व पंजाब केसरी समाचार पत्रों का एक तुलनात्मक अध्ययन
सुधीर कुमार 121

13. कोरोना से कराहता बिहार : मीडिया रिपोर्टस का अन्तर्वस्तु विश्लेषण
सूरज कुमार सिंह 132

लेखक परिचय 143

1

महिलाओं के सामाजिक–राजनीतिक आंदोलनः भारत में शाहीन बाग की केस स्टडी

डॉ. अम्बरीष सक्सेना एवं डॉ. सुस्मिता बाला

सामाजिक, राजनीतिक आंदोलन दुनिया के विभिन्न भागों में परिवर्तन के प्रतीक हैं। यह आंदोलन समाज के स्तर पर या व्यक्ति के स्तर पर चलाए जा सकते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य सामाजिक, राजनीतिक संरचना में बदलाव और जीवन के स्तर को बेहतर बनाना है।

महिलाओं द्वारा संचालित आंदोलन

विश्व के अनेक सामाजिक, राजनीतिक आंदोलनों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। इस संदर्भ में ऐसी अनेक महिलाओं का उल्लेख किया जा सकता है। जिन्होंने समाज को बदलने में महती भूमिका निभाई है। 1960 में 'डामिनिक रिपब्लिक' में तीन मिराबल बहनों की इसलिए हत्या कर दी गयी क्योंकि उन्होंने तानाशाही के विरूद्ध आवाज उठाई थी। इससे एक सदी पहले 1848 में अमेरिका के 'सेनिका फाल्स' में महिलाओं ने अपने अधिकारों की मांग करते हुए बड़ा सम्मेलन किया था। 21वीं सदी में 1917 में अमेरिका में 'तराना बुर्के'' और 'अलीसा मिलानों' ने महिलाओं के यौन शोषण को मुद्दा बनाते हुए 'मी टू' आंदोलन की शुरूआत की।

7

पत्रकारिता और राष्ट्रवाद

राहुल जोशी

भूमिका

एक राष्ट्रवादी पत्रकार कैसा होना चाहिये जो राष्ट्र के हित में बात करे और जो लोकतांत्रिक बात करे। राष्ट्र का हित लोकतंत्र में है लेकिन इस समय राष्ट्रहित को सरकार–हित और लोकतंत्र को सरकार–तंत्र में बदलने की कोशिशें की जा रही हैं जिसमें सरकार के विरोधियों के लिये कोई जगह नहीं है। इस सन्दर्भ में एक महान पत्रकार के मत को देखा जा सकता है, 'गणेश शंकर विद्यार्थी' जिनका कहना था कि पत्रकार को हमेशा सरकार के विरोध में होना चाहिए। इस समय पत्रकार भी सरकार–हित और लोकतांत्रिक–हित को लेकर दो गुटों में बंट गए हैं, इसीलिए कश्मीर में प्रेस पर सेंसरशिप की ख़बर और छत्तीसगढ़ में पत्रकारों के उत्पीड़न की ख़बर इक्का दुक्का समाचारपत्रों में ही दिखाई देती है। इसके पीछे कारण हैं मीडिया में बढ़ता बाजारवाद। इस समय देश का माहौल ऐसा है जिसमें पत्रकारों को पीटा जा रहा है तथा सोशल मीडिया में उन पर अभद्र टिप्पणियां की जा रही हैं।

व्यक्ति के पेशे को देख कर उसके मत को समझने की कोशिश करनी चाहिए। एक सैनिक और पत्रकार से समान काम की उम्मीद नहीं कर सकते क्योंकि इन दोनों की ही कार्यभूमि, कर्तव्य और देशहित में कार्य करने का तरीका अलग–अलग है। शहीदी सर्वोच्च है और रहेगी लेकिन इसके बाद भी कुछ है जो

DME

Affiliated to GGSIP University, New Delhi
Approved by Bar Council of India

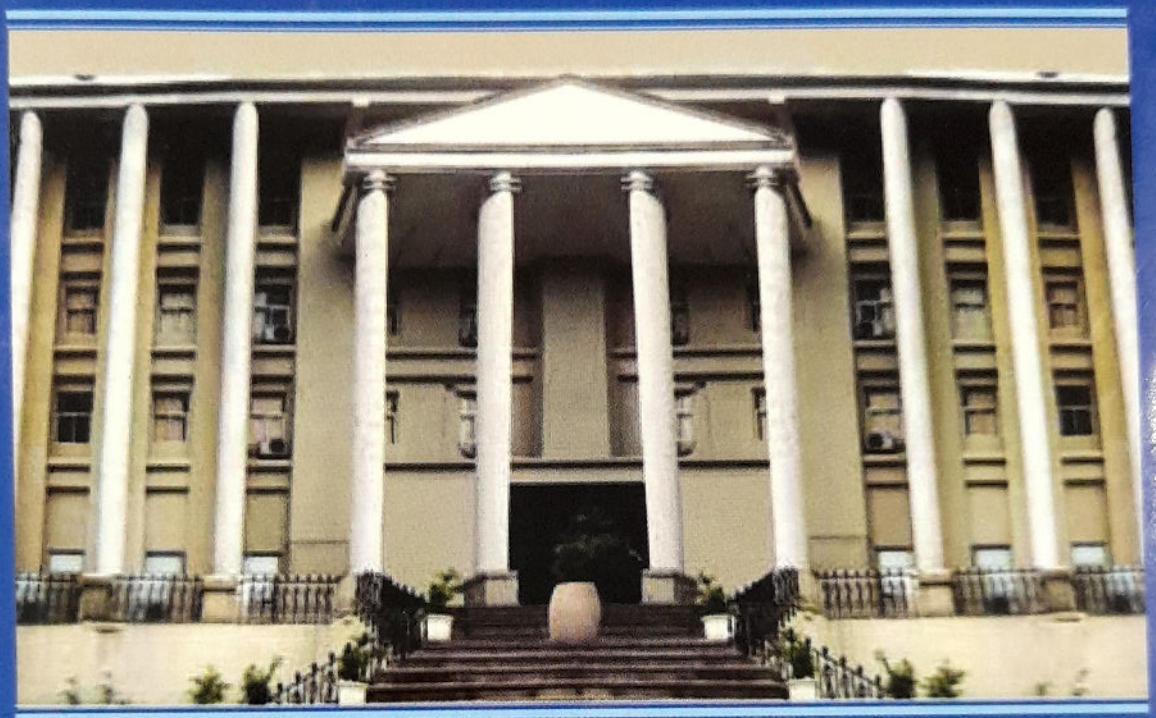

About Delhi Metropolitan Education

Delhi Metropolitan Education (DME) is an 'A' grade premier educational institute affiliated to Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi and approved by Bar Council of India. The institute offers state of the art infrastructure with strong academic facilities to provide a dynamic and clinical grounding for success. DME offers course in Law, Journalism and Management.

₹ 600

KANISHKA

KANISHKA PUBLISHERS, DISTRIBUTORS
4697/5-21A, ANSARI ROAD,DARYA GANJ, NEW DELHI-110002
PHONES: 23270497, 23288285 FAX: 23288285
E-mail: kanishka_publishing@yahoo.co.in

ISBN 978-93-89484-55-7

9 789389 484557